औषधीय पौधे और औषधियों की प्रस्तुति

लखनऊ। सरोजनीनगर स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाईपर), रायबरेली के ट्रांजिट कैंपस में रविवार को जनजातीय गौरव दिवस समारोह मनाया गया। इस मौके पर जनजातीय समुदाय द्वारा उपयोग किए जाने वाले औषधीय पौधे और औषधियों की प्रस्तुति दी गई। उत्तरी भारत के आदिवासी क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली औषधियों पर प्रस्तुति देकर एमएस फार्म (रेग्युलेटरी टॉक्सिकॉलजी) की स्टूडेंट प्राजक्ता घुमे ने इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इसी तरह आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों पर भाषण प्रतियोगिता में दीपाली डोंगरे ने आदिवासी क्रांतिवीर बाबुराव शेडमाके के जीवन संघर्ष पर प्रस्तुति देकर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। नाईपर-रायबरेली की डायरेक्टर प्रोफेसर शुभिनी ए. सराफ ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी। (माई सिटी रिपोर्टर)

अमर उजाला, लखनऊ

जनजाति गौरव सम्मान समारोह आयोजित

जनजाति गौरव दिवस पर उपस्थित नाइपर की डायरेक्टर व शोधकर्ता।

रायबरेली (एसएनबी)। जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को मान देने के लिए इस वर्ष केंद्रीय जनजाति कार्य मंत्रालय ने 15 से 26 नवंबर तक जनजातीय गौरव समारोह मनाने का फैसला किया था। ज्ञातव्य हो कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम को संथाल, तमाड़, कोल, भील, खासी और मिजो जैसे जनजाति समुदायों के नेतृत्व में कई आंदोलनों द्वारा मजबूती दी गई थी। इन्हीं को सम्मान देने को लखनऊ के सरोजिनी नगर स्थित नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाईपर) रायबरेली के ट्रांजिट कैंपस में जनजातीय गौरव दिवस के अंतर्गत

सप्ताह भर चले समारोह में कई कार्यक्रम आयोजित किये गए। संस्थान के छात्र-छात्राओं द्वारा जनजातीय समुदाय द्वारा उपयोग किये जाने वाले औषधीय पौधे और औषधियों की प्रस्तुति दी गई। विशेषकर उत्तरी भारत के आदिवासी क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली औषधियों पर प्रस्तुति देकर एम.एस. फार्म (रेग्युलेटरी टक्सिकलॉजी) की स्टूडेंट प्राजक्ता घुमे ने इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। समारोह के तहत आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें एम.एस. फार्म (बायोटेक्नलजी) की स्टूडेंट दीपाली डोंगरे ने आदिवासी क्रांतिवीर बाबुराव शेडमाके के जीवन संघर्ष पर प्रस्तुति देकर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। पोस्टर प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने आदिवासी समुदाय के बलिदान एवं जीवनशैली को प्रदर्शित किया। जनजातीय गौरव समारोह के साथ-साथ नाईपर के विद्यार्थियों ने 62वां राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह भी मनाया। नाईपर-रायबरेली की डायरेक्टर प्रोफेसर शुभिनी ए. सर्राफ ने प्रतिभागियों को बधाई दी।

जनजातीय समुदाय द्वारा उपयोग की जाने वाली औषधियां प्रस्तुत कीं

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ के सरोजिनी नगर स्थित नैशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्युटिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (नाईपर), रायबरेली के ट्रांजिट कैंपस में जनजातीय गौरव दिवस के अंतर्गत सप्ताह भर चले समारोह में कई कार्यक्रम आयोजित किये गए। संस्थान के छात्र-छात्राओं द्वारा जनजातीय समुदाय द्वारा उपयोग किये जाने वाले औषधीय पौधे और औषधियों की प्रस्तुति दी गई।

विशेषकर उत्तरी भारत के आदिवासी क्षेत्रों में इस्तेमाल होने वाली औषधियों पर प्रस्तुति देकर एम.एस. फार्म (रेग्युलेटरी टॉक्सिकॉलजी) की स्टूडेंट प्राजक्ता घुमे ने इस प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। समारोह के तहत 'आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें एम.एस. फार्म (बायोटेक्नॉलजी) की स्टूडेंट दीपाली डोंगरे ने आदिवासी क्रांतिवीर बाबुराव शेडमाके के जीवन संघर्ष पर प्रस्तुति देकर प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। इसके साथ ही पोस्टर प्रतियोगिता के तहत विद्यार्थियों ने आदिवासी समुदाय के बलिदान एवं जीवनशैली को प्रदर्शित किया। जनजातीय गौरव समारोह के साथ-साथ नाईपर के विद्यार्थियों ने 62वां राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह भी मनाया। पीएचजी एवं पीजी प्रोग्राम के विद्यार्थियों ने फार्मेसी पेशे में बरती जाने वाली सावधानियों पर प्रजेंटेशन दिया, ताकि आम लोगों द्वारा दवाओं का सुरक्षित इस्तेमाल किया जा सके। नाईपर- रायबरेली की डायरेक्टर प्रोफेसर शुभिनी ए. सराफ ने सभी प्रतिभागियों को बधाई दी।

जनजातीय गौरव दिवस

15 नवंबर, 2023